

Name.....

Date.....

मेंढक और साँप

एक बार, एक साँप एक झील के सभी मेंढकों को खाने की योजना के साथ झील में आया। साँप ने मेंढकों से कहा, "मैं यहाँ एक ब्राह्मण के श्राप के कारण आपकी सेवा करने के लिए हूँ।"

मेंढकों का राजा खुश हो गया और उसने सभी मेंढकों को साँप के बारे में बताया। अपने राजा का पीछा करते हुए, सभी मेंढक सवारी करने के लिए साँप की पीठ पर चढ़ गए।

अगले दिन, साँप ने कहा, "मेरे पास खाने के लिए कुछ नहीं है, मैं इतना कमजोर हूँ कि तेजी से रेंग नहीं सकता।"

मेंढकों के राजा ने साँप से कहा, "आप अपनी पूंछ के अंत में बैठे छोटे मेंढक को खा सकते हैं" और साँप ने एक मेंढक को खा लिया।

अगले कुछ दिनों में साँप ने सभी मेंढकों को खा लिया, अब केवल मेंढकों का राजा बचा था।

अगले दिन, साँप ने फिर कहा, "मेरे पास खाने के लिए कुछ नहीं है, मैं इतना कमजोर हूँ कि तेजी से रेंग नहीं सकता।"

मेंढकों के राजा ने फिर कहा, "आप अपनी पूंछ के अंत में बैठे छोटे मेंढक को खा सकते हैं," और इस बार साँप ने उसे ही निगल लिया।

शिक्षा - : किसी भी कार्य को करने से पहले सोचो।

